

M. A. (Previous) Examination,

भारतीय दर्शन

Paper –MASA -03

Section –C

(Long answer questions)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न

Note:Each answer should not exceed 800 words.

नोट : आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये।

1. सांख्य सम्मत पच्चीस तत्वों पर प्रकाश डालिए ।

2. अभिनवगुप्त द्वारा विरचित 'परमार्थसार' नामक ग्रन्थ के आधार पर 'बन्धन' को स्पष्ट कीजिए ।

OR (अथवा)

वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान के स्वरूप तथा उसकी शक्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

3. पञ्चहेत्वाभासों को विस्तार से समझाइए ।

OR (अथवा)

बौद्ध दर्शन के चार सम्प्रदायों को सुस्पष्ट कीजिए ।

4. जैन दर्शन के 'स्याद्वाद' सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए ।

OR (अथवा)

परमार्थसार के अनुसार 'जीवन्मुक्त' की सविस्तार व्याख्या कीजिए ।

5. न्यायदर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण तथा उसके भेदों को समझाइए ।

OR (अथवा)

काश्मीर शैवदर्शन के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए ।

6. प्रमाणचतुष्टय को सविस्तार प्रस्तुत कीजिए ।

7. बौद्धदर्शन के चार आर्य सत्यों को समझाइए ।

OR (अथवा)

चार्वाक दर्शन की तत्त्वमीमांसा को स्पष्ट कीजिए।

8. "जीवाजीवास्रवबन्धसंवरनिर्जरामोक्षास्तत्त्वम्" को सविस्तार समझाइए।

OR (अथवा)

'अज्ञानं तु सदसद्भ्यामनिर्वचनीयं त्रिगुणात्मकं....' इसकी व्याख्या कीजिए।

9. परमार्थसार के अनुसार कोशत्रय का उल्लेख कीजिए।

OR (अथवा)

कार्यकारणवाद विषयक विभिन्न सिद्धान्तों को प्रस्तुत कीजिए।

10. प्रत्ययसर्ग की समुचित रूप से व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

"तत्त्वमसि" महावाक्य का अर्थबोध किस प्रकार होता है ?

11. काश्मीर शैव दर्शन के परम तत्त्व शिव के स्वरूप का सविस्तार विवेचन कीजिए।

12. सांख्य के अनुसार सृष्टि के विकास-क्रम को समझाइए।

OR (अथवा)

प्रत्यक्ष ही एकमात्र प्रमाण है - इसको सिद्ध करने लिए क्या तर्क प्रस्तुत किए गए हैं तथा वह अनुमान आदि को प्रमाण न मानने हेतु क्या विचार प्रस्तुत करता है ?

13. वेदान्त के अनुसार सूक्ष्मशरीर का विवेचन कीजिए।

OR (अथवा)

किन तीन सम्बन्धों द्वारा 'तत्त्वमसि' महावाक्य के अर्थ का बोध होता है ? सविस्तार समझाइए।

14. न्याय के अनुसार षोडश पदार्थों की व्याख्या कीजिए।

OR (अथवा)

सत्कार्यवाद सिद्धान्त को सविस्तार समझाइए।

15. जैन आचार संहिता का वर्णन कीजिए।

OR (अथवा)

न्याय के अनुसार त्रिविध कारणों की समुचित व्याख्या कीजिए।

16. मीमांसा के अनुसार ज्ञातता से क्या अभिप्राय है ? तथा उसका खण्डन न्याय दर्शन किस प्रकार करता है ? समझाइए।

17. चार्वाक के आत्मा विषयक विचार को सविस्तार बताइए।

OR (अथवा)

वेदान्त के अनुसार षड्विंशतियों का विवेचन कीजिए।

13. असत्कारणवाद को स्पष्ट कीजिए।

OR (अथवा)

सांख्य के अनुसार व्यक्त के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

14. अज्ञान के समष्टि व व्यष्टि स्वरूपों को समझाइए।

OR (अथवा)

व्यक्त तथा अव्यक्त प्रकृति के साधर्म्य व वैधर्म्य का विवेचन कीजिए।

15. काश्मीर शैव दर्शन के प्रमुख आचार्यों व उनके प्रमुख ग्रन्थों को सविस्तार समझाइए।

OR (अथवा)

जैन दर्शन कितने प्रमाणों को स्वीकार करता है ? उनका विवेचन कीजिए।

16. न्याय दर्शन के किन्हीं ५ पदार्थों का निरूपण कीजिए।

17. वेदान्त के अनुसार समाधि के अंगों का विवेचन कीजिए।

OR (अथवा)

काश्मीर शैव दर्शन के अनुसार परम तत्त्व का जगत् से किस प्रकार सम्बन्ध है ?

18. योगाचारमत को सुस्पष्ट कीजिए ।

OR (अथवा)

परतः प्रामाण्यवाद के अन्तर्गत अभ्यासदशापन्न ज्ञान तथा अनभ्यासदशापन्न ज्ञान का वर्णन कीजिए ।

19. सांख्य के अनुसार बन्धन को समझाइए ।

OR (अथवा)

जैन दर्शन के जीव तथा अजीव तत्त्वों का विवेचन कीजिए ।

20. न्याय दर्शन के अनुसार ज्ञान के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए उसके भेद-प्रभेदों का उल्लेख कीजिए ।

OR (अथवा)

शंकराचार्य के जीवन तथा रचनाओं का उल्लेख करते हुए वेदान्त दर्शन में उनका स्थान निर्धारण कीजिए

21. षड्विध-सन्निकर्ष को सविस्तार समझाइए ।

22. सांख्यदर्शन के त्रिगुणों का विवेचन कीजिए ।

OR (अथवा)

अनुबन्ध-चतुष्टय को सविस्तार समझाइए ।

23. न्याय के अनुसार उपाधि के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

OR (अथवा)

प्रामाण्यवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके भेदों तथा उपभेदों को समझाइए ।

24. सांख्य के अनुसार विवेकज्ञान को सुस्पष्ट कीजिए ।

OR (अथवा)

‘पृथिव्यसेजोवायुरिति तत्त्वानि’ की व्याख्या कीजिए ।

25. प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त को समझाइए ।

OR (अथवा)

सांख्य के अनुसार महत् तत्त्व का विवेचन कीजिए ।